B. A. Part II
PAPER IV
LECTURE - 17.

Dr. Smita Kumari
Assistant Professor
Marwari college Darbhanga.

TOPIC सामाजिक अनुसंधान और सामाजिक सर्वेक्षण में भिन्नताएं
(Differences between Social Research and social survey)

अगर हम देखें तो पाएंगे की सामाजिक अनुसंधान और सामाजिक सर्वेक्षण में भिन्नताएं हैं जो ~~निम्न~~ निम्नांकित है —

1. सामाजिक अनुसंधान का क्षेत्र सामान्य होता है। इसके द्वारा हम सामान्य निष्कर्षों तक पहुँचते हैं जबकि पारिभाषिक रूप से सामाजिक सर्वेक्षण का सम्बन्ध किसी ~~विशेष~~ क्षेत्र अथवा समूह से है। वस्तुतः इसके द्वारा प्राप्त निष्कर्ष विशिष्ट क्षेत्र या समूह पर लागू होते हैं।

Scanned by CamScanner

2. सामाजिक अनुसंधान की प्रकृति सैद्धान्तिक होती है। इसके अन्तर्गत अध्ययन विषय के बारे में अधिक गहन ज्ञान प्राप्त कर नए तथ्यों की खोज व सिद्धान्तों का निर्माण किया जाता है जबकि सामाजिक सर्वेक्षण की प्रकृति व्यावहारिक व उपयोगितावादी है इसके द्वारा किसी समस्या के बारे में जानकारी संकलित कर उसका समाधान ढूंढकर तात्कालिक आवश्यकता की पूर्ति की जाती है।

3. सामाजिक अनुसंधान का उद्देश्य ज्ञान की प्राप्ति व विकास है इसीलिए इसका सम्बन्ध सभी प्रकार की सामाजिक घटनाओं से है। जबकि सामाजिक सर्वेक्षण का उद्देश्य सुधार व समाज कल्याण होता है इसीलिए ये अधिकतर सामाजिक विघटन उत्पन्न करने वाली सामाजिक समस्याओं से संबंधित होती है।

4. सामाजिक अनुसंधान में तथ्य संकलन के पहले प्राक्कल्पनाएं बनाई जाती हैं फिर उस प्राक्कल्पना से सम्बन्धित तथ्यों को एकत्रित किया जाता है। जबकि सामाजिक सर्वेक्षण में सामाजिक घटनाओं व तथ्यों के संकलन में प्राक्कल्पनाओं की आवश्यकता नहीं होती। सामान्यतः सामाजिक सर्वेक्षण में समस्या के सभी पहलुओं से सम्बन्धित तथ्यों को

Scanned by CamScanner

संकलित किया जाता है।

5. सामाजिक अनुसंधान व्यक्तिगत रूप से किया जाता है। एक व्यक्ति अपनी जिज्ञासा की संतुष्टि के लिए व्यक्तिगत स्तर पर अनुसंधान करता है। यद्यपि अनुसंधानकर्ता आंकड़ों की चाईपिंग कार्य आदि के लिए अन्य लोगों से सहायता लेता है जबकि सामाजिक सर्वेक्षण एक सामूहिक प्रयास है इसमें निर्देशक, पर्यवेक्षक, गणक आदि होते हैं इसका अध्ययन-क्षेत्र विस्तृत होता है और सभी तथ्यों का संकलन एक व्यक्ति के द्वारा नहीं हो सकता।

6. सामाजिक अनुसंधान में समस्या का गहन एवं सूक्ष्म अध्ययन किया जाता है जबकि सामाजिक सर्वेक्षण में प्रायः विस्तृत जानकारी प्राप्त की जाती है।
H.P. Fairchild ने लिखा है सामाजिक सर्वेक्षण की अपेक्षा सामाजिक अनुसंधान अधिक गहन एवं सूक्ष्म होता है तथा सामान्य सिद्धान्तों की खोज से अधिक संबंधित होता है।

Smita Sinha
29/4/20.